32 PAGE ANSWER BOOK

विषय Subject :
HINDI

विषय कोड Subject Code :
051

परीक्षा की दिनांक / Date of Exam
020323

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper :
हिन्दी

प्रश्न पत्र का सेट
Set of the Question paper : D

गोले भरने हेतु उदाहरण :–
सही तरीका :–
● ○ ○ ○
गलत तरीका :–
⊗ ⊘ ○ ◐ ◉ ○

नोट :–
इस शीट को भरने के पूर्व इस पृष्ठ के पीछे दिए गए उदाहरण को देखें।

कार्यालय उपयोग के लिए

ID NO.
6281636
SUB.
051 - HINDI pk: 2
Bag.
30511271

केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	(अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
USHA TRIPATHI (Principal) Govt. Girl's H.S. Gangeo, Rewa V. No. 32051646, Mob. No. 94254354	अमित कु... पं.क्र. 3240107.. मो.नं. 9993336495 शास. उच्च. मा. वि. ..., रीवा (म.प्र.)

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 1 का उत्तर

(i) उत्तर पैसा की

(ii) पेशाजीराव के के यहाँ

नाभिक

B
S
E

(iv) उत्तर श्लेष अलंकार

(V) उत्तर चार कालो मे

vi उत्तर कपड़े पहनाती है

प्रश्न क्रमांक 2 का

1 नौ वर्ष की उम्र

स्रण

3 कागज के पन्ने से

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

क्र.

5 बिड़ला मंदिर

सरल वाक्य

मात्रिक

7 लेखक

प्रश्न क्रमांक 3 का उत्तर

	उत्तर
(i) चित्रकार	चितेरा
सम्पादकीय पृष्ठ	अखबार की अपनी आवाज
हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग	भक्तिकाल
छायावाद के प्रवर्तक कवि	जयशंकर प्रसाद
मस्ती का संदेश	हरिवंशराय बच्चन
(vi) चौपाई छंद	16 मात्राएं

प्रश्न क्रमांक 4 का उत्तर

(i) उत्तर जयशंकर प्रसाद की

ii उत्तर कवि स्लेट पर लाल खड़िया चूना मिट्टी मलने की बात कही है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

viii) उत्तर — दोहा का उल्टा सोरठा होता है।

(iv) उत्तर — मुहावरा

v — संवाद से

vi) उत्तर — अंगूर व खजूर के

vii) उत्तर — ढोलक की आवाज

प्रश्न क्रमांक 2 का उत्तर

1 असत्य

2 सत्य

3 सत्य

4 असत्य

5 सत्य

6 सत्य

B S E

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

न क्र.

प्रश्न क्रमांक 6 का उत्तर

जेब के भरे होने और मन के खाली होने पर व्यक्ति बाजार की चकाचौंध मे भटक जाता है। वह फिजूल की वस्तुओ को खरीदता है। जब उसके ऊपर से बाजार का जादू उतरता है तो उसे समझ मे आता है कि बाजार की चकाचौंध ने उसे ठग लिया और वह जरूरत का सामान ही खरीदता है।

प्रश्न क्रमांक 7 का उत्तर

शिरीष का फूल बसन्त ऋतु से खिलना प्रारंभ होता है और वह भादों तक बिना किसी बाधा के खिलता है।

प्रश्न क्रमांक 8 का उत्तर

लेखक के पिता ने आनन्द को पाठशाल भेजते समय यह शर्त रखी कि व पाठशाला जाने से पहले 11 बजे तक खेत काम करेगा व पाठशाला से आने के बाद भी वह खेत के बचे काम पूरा करेगा।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

BSE

प्रश्न क्रमांक 9 का उत्तर

फ़िल्म व रंगमंच पर दृश्यो को संवाद के माध्यम से प्रभावशील बनाया जाता है। संवाद से रंगमंच पर पात्रो का क्रमिक चित्रण होता है जो दर्शको को दृश्यो को समझने मे मदद करता है।

प्रश्न क्रमांक 10 का उत्तर

वीर रस → सहृदय के हृदय के हृदय मे स्थित स्थाई भाव का उत्साह नामक स्थाई भाव का जब अनुभाव विभाव व संचारी भाव से संयोग होता है वहा वीर रस की उत्पत्ति होती है।

उदाहरण → बुन्देले हरबोलो के मुह हमने सुनी कहानी थी खूब लड़ी मरदानी वह तो झाँसी वाली रानी थी ॥

प्रश्न क्रमांक 11 का उत्तर

कवित्त → यह वार्णिक छंद है। जिसमे चार चरण होते है इसके प्रत्येक चरण मे 31-31 वर्ण होते है।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

न क्र.

उदाहरण → किसबी किसान कुल, बनिक भिखारी भाट।
चाकर चपल नट, चोर चार चेटकी ॥
पेट को पढ़त है गुन गढ़त गिरी
अहन गहन गन अहन अखेटकी ॥

प्रश्न क्रमांक 12 का उत्तर अथवा

राष्ट्रभाषा की विशेषता →
1) राष्ट्र भाषा किसी देश में बहुसंख्य लोगो द्वारा बोली जाने वाली भाषा है।
2) इसे सम्पर्क भाषा कहते है।
3) राष्ट्रभाषा को अंग्रेजी मे नेशनल लैंग्वेज कहा जाता है।

प्रश्न क्रमांक 13 का उत्तर अथवा

(i) क्या लता गा रही है?

(ii) आदमी का हवा में उड़ना मुश्किल है।

प्रश्न क्रमांक 14 का उत्तर

कवि एक चौकोर पन्ने को अपना खेत मे मानता है और उसमें शब्द रूपी बीज बोता है। क्योकी कवि कवि कर्म को कृषि कर्म के समान मानता है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 15 का उत्तर अथवा

लक्ष्मण जी के लिए प्रभु राम से आज्ञा पाकर हनुमान जी हिमालय पर्वत संजीवनी बूटी लाने गए थे। और बूटी लाने पश्चात शुषैण वैद्य ने उस बूटी से औषधि तैयार कर लक्ष्मण को पिलाई व वह ठीक हो गए।

प्रश्न क्रमांक 16 का उत्तर अथवा

(क)
उत्तर 'हँसने का महत्व'

(ख)
उत्तर हास्य अंग एक ऐसा माध्यम है जो नीरस जीवन को भी सुखद बना देता है।

(ग)
हसना जीवन मे बहुत जरूरी है इससे जीवन सुखद हो जाता है व हसी से दुखी जीवन उमंग की एक लहर उठ जाती है। हसी के सहारे मनुष्य अपने कष्टो को भूलने का प्रयत्न करता है, संघर्ष, तनाव घुटन आदि से बचने के लिए हसना जरूरी है। जीवन को दुर्लभ बनाने के लिए हसी जरूरी है।

प्रश्न क्रमांक 17 का उत्तर

तुलसी दास

(i) दो रचनाए → रामचरितमानस, गीतावली, कवितावली

(ii) भावपक्ष - कलापक्ष → भक्ति शिरोमणी श्री तुलसी दास जी भक्ति काल की सगुण भक्ति धारा के राम भक्ति शाखा के प्रमुख कवि थे। इन्हो अपना सम्पूर्ण जीवन श्री राम के चरणो मे समर्पित कर दिया है। राम के लोकल्याणकारी रूप को आधार बना के इन्होने रचनाए की। इनकी रचनाओ प्रमुख रूप से ब्रज भाषा व अवधि का प्रयोग किया है। रूपक अनुप्रास, उपमा, इनके प्रिय छंद है। व चौपाई, दोहा रोला, गीतिका, को सफल प्रयोग किया है। इनकी भाषा अत्यन्त सरल व उत्कृष्ट है इनकी भक्ति राम के प्रति दास भाव की थी।

साहित्य मे स्थान → हिन्दी साहित्य के इतिहास मे आपका अनुपम स्थान है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 18 का उत्तर

फणीश्वर नाथ रेणु

दो रचनाए → मैला आँचल, जुलूस, परती - परिकथा

भाषा-शैली → फणीश्वर नाथ रेणु की भाषा अत्यन्त सरल व उत्कृष्ट है। इन्होने ने अपनी रचनाओ मे वर्णात्मक, कथात्मक, व्यंग्यात्मक आदि शैलियो का प्रयोग किया है। ये अपनी रचनाओ मे आंचलिक शब्दो के लिए प्रसिद्ध है। एवं इन्हे आंचलिक उपन्यास कार के नाम से जाना जाता है। आधुनिकाल मे इनका स्थान प्रमुख इनकी रचनाओ मे राष्ट्रीयता का स्वर मुखरित होता है। इनकी कहानी में अत्यन्त सरल सरल शब्दो का प्रयोग हुआ है।

साहित्य मे स्थान → हिन्दी साहित्य के इतिहास मे रेणु जी का महत्वपूर्ण स्थान है।

B S E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 19 का उत्तर अथवा

(महेश व राजू दो मित्र है इनके बीच क्रिकेट पर एक संवाद प्रस्तुत है।)

महेश ! → राजू मुझे क्रिकेट बहुत अच्छा खेल लगता है।

राजू → हाँ महेश मैभी क्रिकेट खेलने के सदैव उत्साहित रहता हूँ। क्यूँकी इससे मनोरंजन के अलावा शरीरका व्यायाम भी होता है।

महेश !- सही बोल रहे हो तुम। मेरी अभी से क्रिकेट मे रूची व मुझे बड़े होकर एक अच्छा क्रिकेटर बनना है। व अपने देश के लिए कई गोल्ड मेडल जीतने है।

राजू !- तो भाई तुम अभी से कड़ी तैयारी मे जुट जाओ क्योकी कोम्पटीसन बहुत है और मुझे विश्वास है तुम्हारे ऊपर की तुम अच्छे क्रिकेटर बनोगे।

महेश !- धन्यवाद ! राजू

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

BSE

प्रश्न क्रमांक २० का उत्तर

पर्यावरण की सुरक्षा

रूपरेखा → प्रस्तावना
1) ~~प्रदू~~ पर्यावरण प्रदूषण से समस्या
2) पर्यावरण से लाभ
3) वनो की सुरक्षा
4) उपसंहार
5)

1) प्रस्तावना → पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ है हमारे चारो ओर का जैविक एवं अजैविक घटको का फैला हुआ आवरण है आज पर्यावरण की एक मुख्य बिन्दु वन चुका है क्यो की वनो की कटाने ने हमारे पर्यावरण संतुलन को बिगाड़ के रख दिया है जिससे वर्तमान समय मे कई समस्याए उत्पन्न हो रही है जो आज के जीवन के लिए घातक सिद्ध हो रही है जिससे बिमारी वर्षा न होना आदि समस्याए उत्पन्न हो रही है। पर्यावरण सुरक्षा देश मे पर्याप्त वर्षा करने कराने के लिए जिम्मेदार है जहा पर्याप्त वन है वहाँ पर्याप्त वर्षा होती है और जहाँ वनो का अभाव है वहा वर्षा की कमी हो रही है।

2) पर्यावरण प्रदूषण से समस्या → आज हमारे देश की ही नही अपितु सम्पूर्ण विश्व मे पर्यावरण प्रदूषण से हानि हो रही है लोगो सास लेने के शुद्ध हवा नही मिल पा रही। पर्यावरण ~~का~~ प्रदूषण कई प्रकार से होता है जैसे- जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण ध्वनि ~~प्रदूषण~~ प्रदूषण आदि है सर्वाधिक प्रदूषण वायु के माध्यम से होते जिसमे कारखाने निक[illegible] धुआ प्रमुख है। इससे

MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

ओजोन परत मे छिद्र होने जैसे संकट उत्पन्न हो रही है।

(3) पर्यावरण से लाभ → पर्यावरण सबसे अधिक लाभ मनुष्यो ने ही उठाया है। क्यो की किसी भी देश की राष्ट्रीय आय मे उस देश का कच्चा माल उत्पादन देखा जाता है जिसका सीधा संबंध पर्यावरण से है। पर्यावरण मे वृक्षो की उपस्थिति के कुछ हद तक ~~प्रदूषण~~ प्रदूषण नियंत्रित होता है, घर मे खाना बनाने कि ईंधन के रूप मे लकड़ी मिलती है, फल प्राप्त होते है, फूल प्राप्त होते है व सबसे बड़ा लाभ आक्सीजन प्राप्त होता है।

(4) वनो की सुरक्षा → विश्व विश्व मे पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए विश्व पर्यावर वरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है। वनो कि सुरक्षा के लिए सरकार इस समय जागरूक हो चुकी है इन्होने सघन वृक्षारोपण कराया व वनो की कटाई पर सख्त पाबन्दी लगाई है। इससे पूर्व भी चिपको आन्दोलन वृक्षो की कटाई रोकने के लिए चलाया गया था।

(5) उपसंहार → पर्यावरण सुरक्षा से देश मे वर्षा की समस्या के निदान मे लाभ होगा व पर्यावरण सुरक्षा से हम सही जीवन जी पाएंगे स्वच्छ वातावरण प्रस्तुत होगा। पर्यावरण सुरक्षा का प्रथम चरण वनो कटाई रोकना व वृक्षारोपण है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 21 का उत्तर अथवा

संदर्भ → प्रस्तुत पंक्तिया हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह के 'बादल राग' कविता से ली गई है जिसके रचयिता सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जी है।

प्रसंग → इस कविता मे कवि ने बादल का सहारा लेकर उच्च व धनिक वर्ग के ऊपर प्रहार किया है व निम्न वर्गीय लोगो के प्रति सहानुभूति दिखाई है।

व्याख्या → यहा पर निराला जी ने सुखो अस्थिर बताया है व पृथ्वी का हृदय "जल रहा है" जिस पर बादल वर्षा द्वारा उसे शांत करता है। यहा बिंब विप्लव 'बादल' से सम्बन्धित है। आकांक्षाओ से भरी रणतरी व बादलो 'गर्जन होने से वर्षा होने के पश्चात पृथ्वी के गर्भ मे छुपे अंकुर बाहर निकल रहे है। व अपना सिर उच्चा कर रहे है परन्तु 'इस पंक्ति दूसरी ओर मतलब भी बताया है कि मजदूर वर्ग की दीन दशा है। जो धनिक वर्ग से प्रताड़ित है।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक २२ का उत्तर अथवा

संदर्भ → प्रस्तुत पंक्ति हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह के बाजार दर्शन पाठ से ली गई है जिसके रचयिता जैनेन्द्र कुमार है।

प्रसंग → इन पंक्तियो मे लेखक ने बाजार के जादू का वर्णन किया है। बाजार वही लोग टिक सकते है जिनके परचेजिंग पावर है। वे मन खाली होने पर बाजार के जादू मे पड़ के बेफिजूल की चीजे खरीदते है।

व्याख्या → आस - पास माल टाल न जमा हो तो क्या वह व्याक पावर है। पैसे को देखने के लिए बैंक - हिसाब देखिए, पर माल - असबाब, मकान - कोठी को अन अनदेखे भी दीखते है।

S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 21 का उत्तर

प्रति,
जिलाधीश महोदय
जिला सतना (म.प्र.)

विषय → ध्वनि विस्तारक यंत्रो पर प्रतिबंध लगाने विषयक।

महोदय,

सविनय नम्र निवेदन है कि हमारी बोर्ड परिक्षाए नजदीक आ रही है व हमारे क्षेत्र मे शादी - बरात का माहौल चल रहा रहा जिसके चलते रात को एक - दो बजे तक DJ बजाते है सुबह बाजार मे शोर सराबा सुरू हो जाता है जिससे हमारे अध्ययन पाठन मे समस्या उत्पन्न होती है।

अतः, श्री मान जी से निवेदन है कि हमारे क्षेत्र मे बोर्ड परिक्षा के सम्पन्न होने तक ध्वनि विस्तारक यंत्रो पर रोक लगाने की महान कृपा की जाय।

दिनांक
02-03-2023

भवदी - अवस